





HISTORY BY

SUJEET BAJPAI SIR



- *गुप्त साम्राज्य*
 - ★ सस्थापक- श्रीगुप्त ✓
 - ★ प्रसिद्ध शासक – चन्द्रगुप्त प्रथम
 - ★ चन्द्रगुप्त प्रथम ने 319 A.D. में गुप्त सम्वत् का आरम्भ किया था।
 - ★ इसने लिच्छवी राजकुमारी कुमार देवी से विवाह किया था।
- ser = Samudra-gupt

Gupt Empire

- Founder- Srigupta
- Famous Ruler – Chandragupta-1st
- Chandragupta -1st started Gupta Samvat in 319 A.D.
- He married with Lichchvi Princess Kumar Devi.

समुद्रगुप्त

★ इसे भारत का नेपोलियन कहा जाता है।

★ ये गुप्त वंश का पहला शासक था जिसने दक्षिण भारत को जीता था।

★ Title- 1. कविराज 2. परक्रमांक 3. लिच्छवीदौहित्र (लिच्छवी माता का पुत्र)

4. अश्वमेध यज्ञ कर्ता

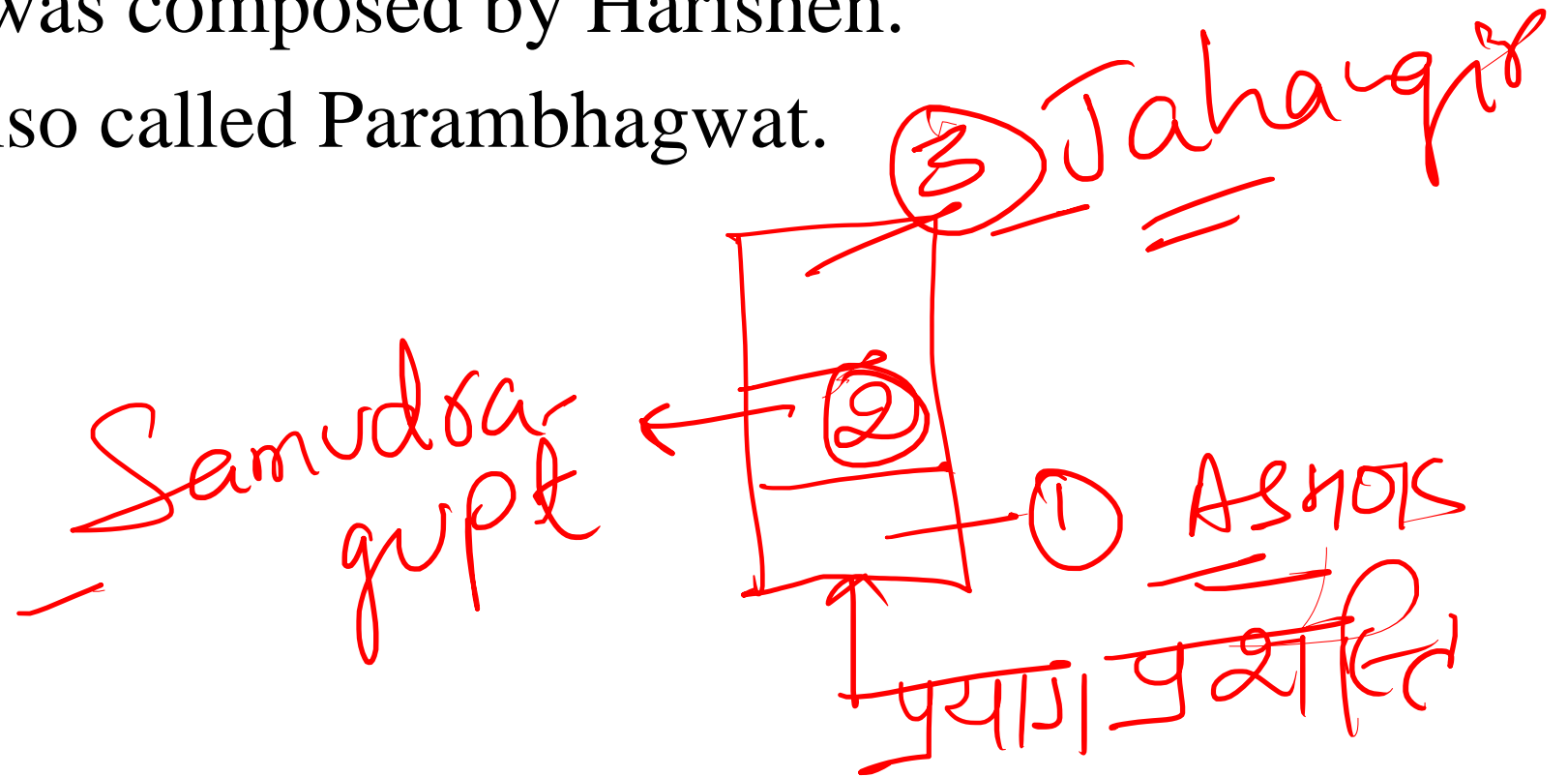
चक्रवर्ती

SamudraGupta

- It is called Napoleon of India.
- It was the first ruler of the Gupta dynasty who won South India.
- Titles-
 1. Kaviraj
 2. Parkramank
 3. Lichchvidauhitra (Son of Lichchavi Mother)
 4. Ashvamedha yajna karta

- ★ इसने प्रयाग प्रशस्ति का निर्माण करवाया था ।
- ★ इस प्रशस्ति की रचना हरिषेण ने की थी ।
- ★ समुद्रगुप्त को परमभागवत भी कहते थे ।

- He constructed Prayag Commendation.
- This commendation was composed by Harishen.
- Samudragupta was also called Parambhagwat.



Sou of Samudragupt

चन्द्रगुप्त-II

- ★ Title- विक्रमादित्य (सर्वाधिक शक्तिशाली)
- ★ प्रथम चीनी यात्री फाह्यान इसी के समय भारत आया था ।
- ★ फाह्यान ने Pho-kyo-ki नामक पुस्तक लिखी थी ।

Brave
like
Sun

Chandragupta-II

- Title- Vikramaditya (most powerful)
- The first Chinese traveller, Fahyan, came to India at the ~~same~~ time.
- Fahyan wrote a book called Pho-kyo-ki.

his

★ चन्द्रगुप्त के दरबार में नौ-रत्न उपस्थित थे ।

- धन्वतरि- वैद्य
- वराहमिहिर- खगोलशास्त्री
- अमरसिंह – लेखक
- कालिदास – कवि (शेक्सपीयर of india)

~~(Aryabhatta X)~~

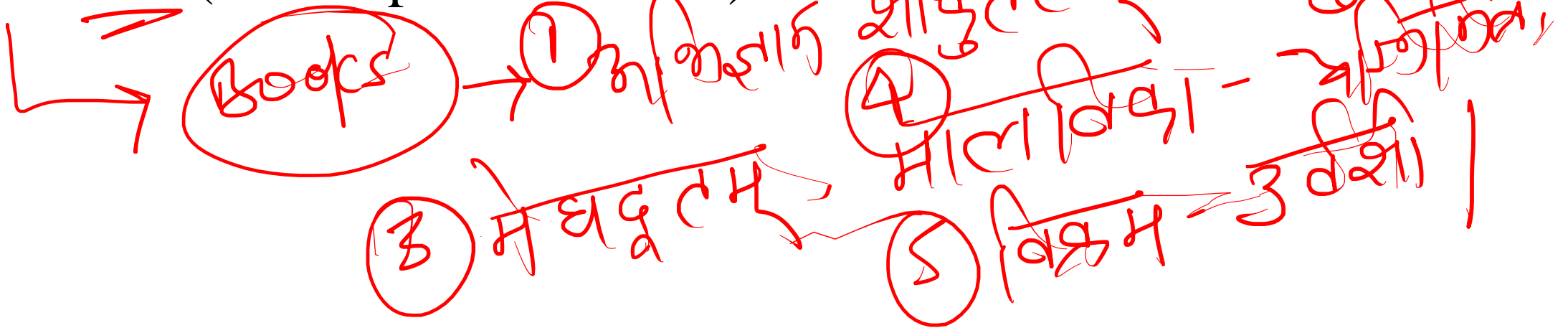
➤ Nine jewels were present in the court of Chandragupta.

Dhanvantari: Vaidya

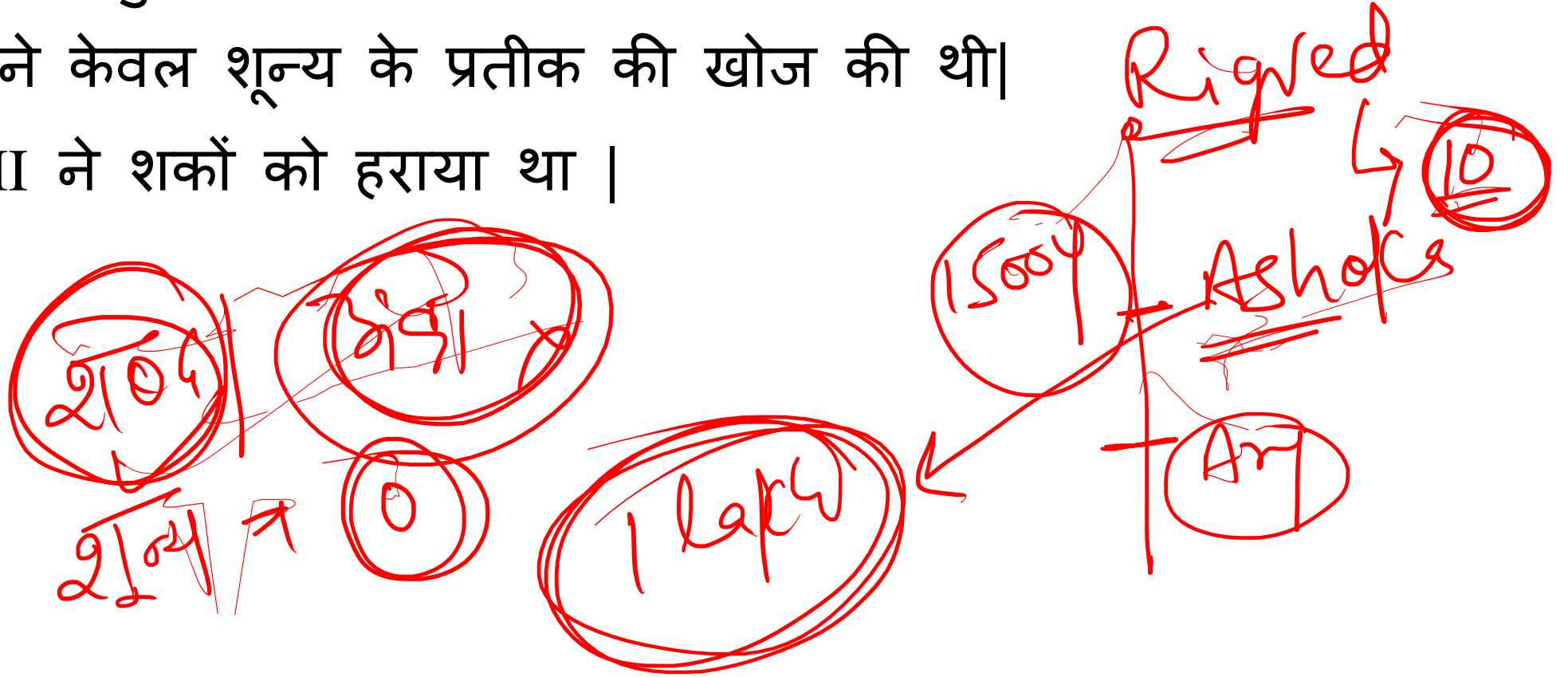
Varahamihir - Astronomer

Amar Singh - Writer

Kalidas – Poet (Shakespeare of India)



- ★ आर्यभट्ट चन्द्रगुप्त-II के दरबार में उपस्थित थे ।
- ★ आर्यभट्ट ने केवल शून्य के प्रतीक की खोज की थी।
- ★ चन्द्रगुप्त-II ने शकों को हराया था ।



- गणित के Mathemaficias
→ Not a member of 9-gems
- Aryabhata was present at the court of Chandragupta-II.
 - Aryabhata had only discovered the symbol of zero. → 0
 - Chandragupta-II had defeated the Shakas. → गदग

Note → शून्य की खोज → Unknown Indian
→ अज्ञात

नोट:- गुप्त काल के बारे में-

- गुप्त काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण काल कहा जाता है।
- साहित्य, कला, और विज्ञान में अत्यधिक प्रगति के कारण
- अजंता और बाघ की गुफाओं का सम्बन्ध गुप्त काल से है ।
- सती प्रथा का प्रथम प्रमाण भानुगुप्त के एरण अभिलेख से प्राप्त हुआ था ।
- सर्वाधिक संख्या में सोने के सिक्के गुप्त काल में ही चलवाए गए थे लेकिन उनकी शुद्धता कम थी ।

Note:- About the Gupta period

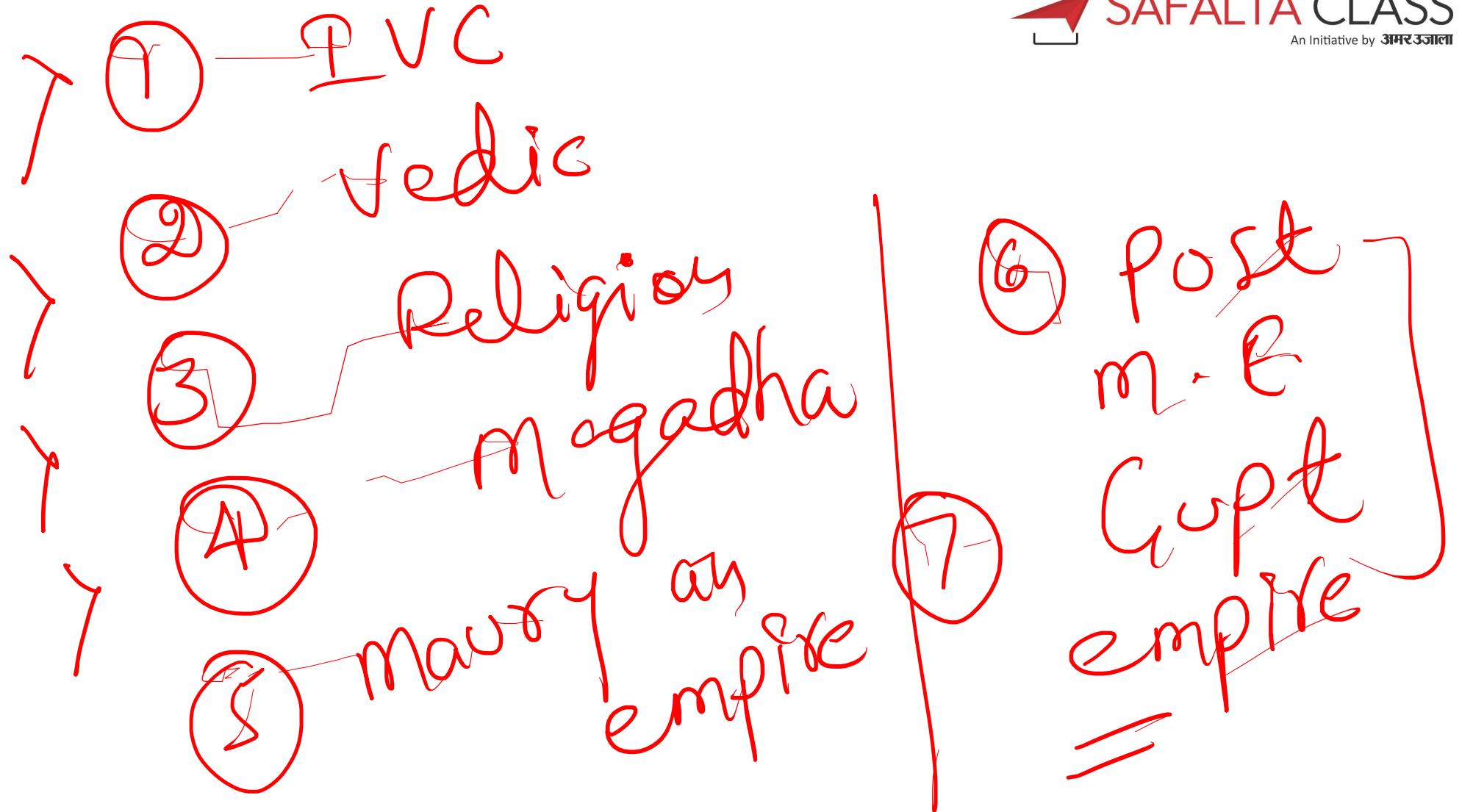
- Gupta period is called the Golden Period of Indian History. Due to great progress in literature, art, and science
- Ajanta and Bagh Caves are related with the Gupta Period.
- The first proof of sati practice was found from Bhanugupta's Eran record.
- The highest number of gold coins were made in the Gupta period but their purity was low.

- पुराणों की रचना गुप्त काल में हुयी थी ।
- पुराणों को पांचवां वेद भी कहा जाता है ।
- गुप्त राजाओं ने भागवत धर्म और संस्कृत भाषा को संरक्षण दिया था ।
- सिक्के- 1. दिनार- (GOLD) 2. रुप्यका- (Silver)
- ताम्रलिप्ति गुप्त काल का प्रसिद्ध बंदरगाह था ।(वर्तमान में बंगाल)
- इस वंश का अंतिम शासक विष्णुगुप्त था ।

- The Puranas were composed in the Gupt period.
- The Puranas are also called the fifth Ved.
- The Gupt kings had patronised Bhagwat Dharma and Sanskrit language.
- Coins- 1. Dinar- (GOLD)
2. Rupyaka- (Silver)
- Tamralipti was the famous port of the Gupta period (Currently Bengal)
- The last ruler of this dynasy was Vishnugupta.

गुप्त काल का पतन =
Decline

→ कारण = Attack of Hunas हनों
का आक्रमण



Post Gupta Period

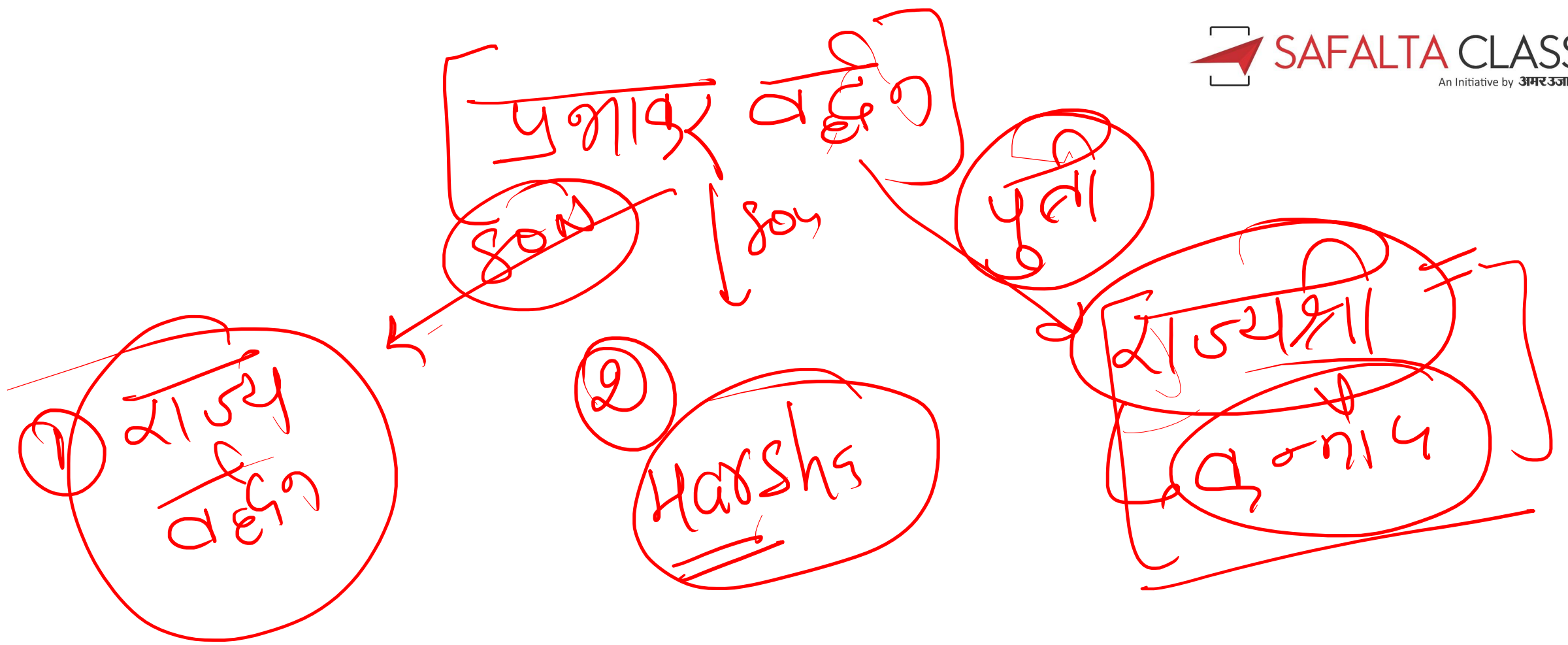
उत्तरगुप्त काल

संस्थापक- पुष्यभूति, राजधानी- थानेश्वर → Harjana

इस वंश का पहला प्रसिद्ध शासक – प्रभाकर वर्धन

Founder- Pushyabhuti, Capital- Thaneshwar

The first famous ruler of this dynasty - Prabhakar Vardhan



→ Son of Praphakas Vardhan

हर्षवर्धन के विषय में

- ★ वह अपनी राजधानी को थानेश्वर से कन्नौज ले गया था ।
- ★ हर्ष ने तीन पुस्तकें लिखी थी- रत्नावली, प्रियदर्शिका, नागानंद
- ★ चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के समय में भारत आया था ।
- ★ ह्वेनसांग को तीर्थयात्रियों का राजकुमार कहा जाता है।

UP

About Harsh Vardhan

- He shifted his capital from Thaneshwar to Kannauj.
- Harsha wrote three books- (Ratnavali, Priyadarshika, Nagananda)
- Chinese traveller Hiuntsang harsh Vardhan came to India during the time.
- Hiuntsang is called the Prince of Pilgrims.

↳ Study of Nalanda Univ.

- ★ हवेनसांग ने सी-यू-की नामक एक पुस्तक लिखी थी ।
- ★ हर्ष ने हवेनसांग के द्वारा बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था ।
- ★ हर्ष को शिलादित्य भी कहते थे ।
- ★ प्रसिद्ध कवि बाणभट्ट इसके दरबार में उपस्थित थे ।

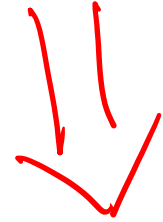
- Hiuntsang wrote a book called Tse-U-Ki.
- Harsha had accepted Buddhism through Hiuntsang.
- Harsha was also called Shiladitya.
- The famous poet Banabhatta was present at its court.

- ★ बाणभट्ट ने दो पुस्तकें लिखी थी- कादंबरी और हर्षचरित
- ★ पांचवीं बौद्ध संगीति (प्रयाग) हर्षवर्धन के समय में हुयी मानी जाती है ।
- ★ पुलकेशिन-II ने हर्षवर्धन को नर्मदा नदी के किनारे हराया था ।

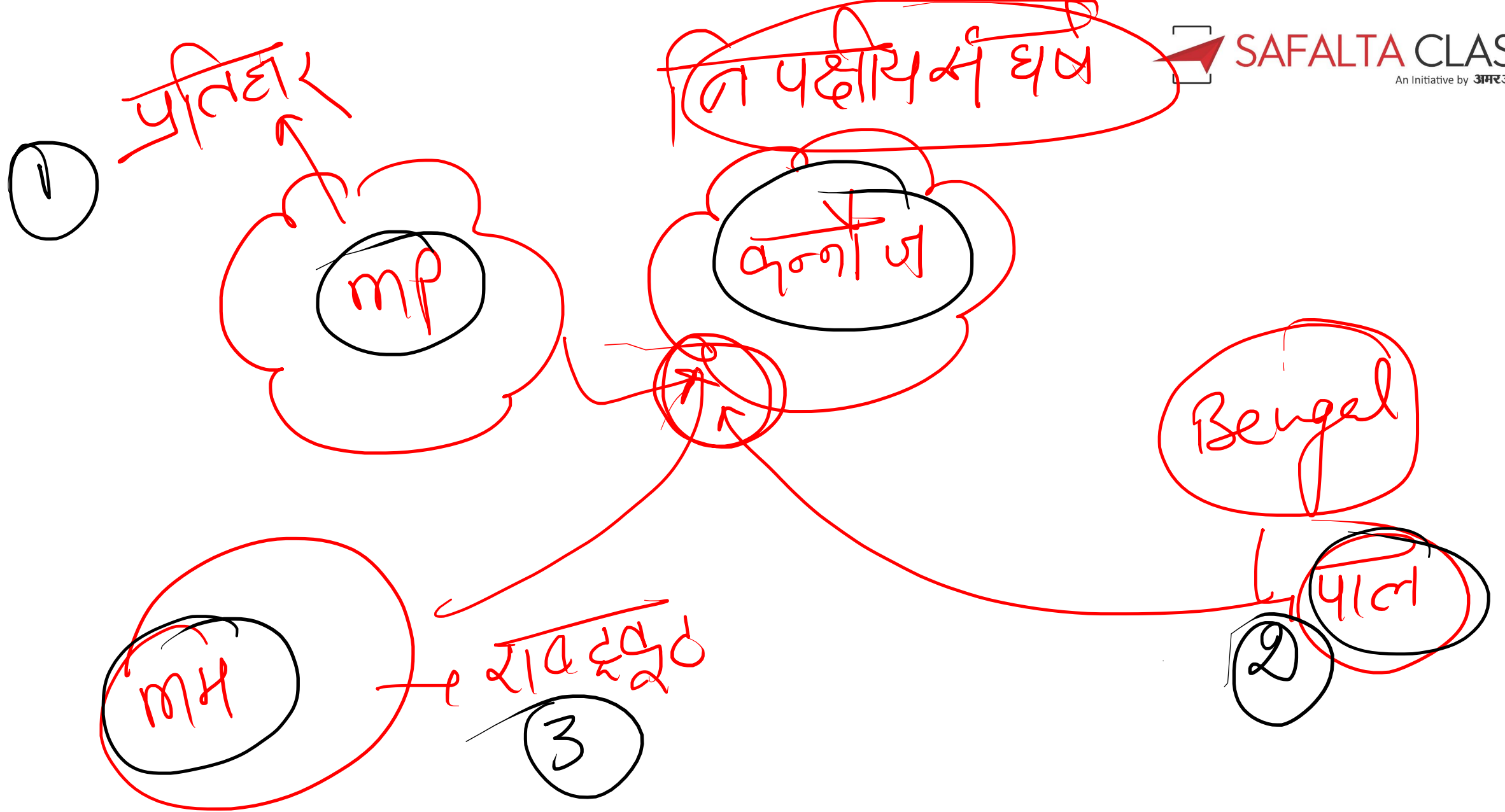
4

- Banabhatta wrote two books - Kadbakri and Harshcharit.
- The fifth Buddhist council (Prayag) is considered to have happened during harsh Vardhan's time.
- Pulkesin-II had defeated Harshvardhana along the river Narmada.

Harsha death → 647 A.D.



[Arab Invasion of India]



चालुक्य वंश

3

Branches

1. वातापी/बादामी के चालुक्य (बीजापुर, कर्नाटक)

❖ संस्थापक- जयसिंह

❖ प्रसिद्ध शासक- पुलकेशिन-II

1. Chalukyas of Vatapi/Badami (Bijapur, Karnataka)

❖ Founder- Jaisingh

❖ Famous Ruler- Pulkesin-II

- ❖ पुलकेशिन-II ने परमेश्वर की उपाधि ली थी।
- ❖ पुलकेशिन-II ने एहोल अभिलेख (कर्नाटक) का निर्माण करवाया था ।
- ❖ एहोल अभिलेख की रचना रविकीर्ती ने की थी ।
- ❖ इस वंश का अंतिम शासक कीर्तिवर्मन-II था जिसकी हत्या दन्तिदुर्ग ने की थी ।

- ❖ Pulkesin-II took the title of Parmeshwar. [After defeating Harsha]
- ❖ Pulkesin-II had constructed the Ahole inscription (Karnataka). Vardhana
- ❖ The Ahole inscription was composed by Ravikirti.
- ❖ The last ruler of this dynasty was Kirtivarman-II, who was killed by Dantidurga.
 ↳ founder of खिलजी dynasty

2. कल्याणी के चालुक्य (बीदर , कर्नाटक)

- ❖ संस्थापक- तैलप-II
- ❖ इस वंश का प्रसिद्ध शासक विक्रमादित्य-VI
- ❖ प्रसिद्ध कवि बिल्हण विक्रमादित्य-VI के दरबार में उपस्थित थे ।
- ❖ बिल्हण ने विक्रमांकदेव चरित नामक पुस्तक लिखी थी ।
- ❖ इस वंश का अंतिम शासक सोमेश्वर-IV था ।

2. Kalyani's Chalukya (Bidar, Karnataka)

- ❖ Founder- Tailop-II
- ❖ Vikramaditya-VI, the famous ruler of this lineage
- ❖ Famous poet Bilhan was present at the court of Vikramaditya-VI.
- ❖ Bilhan wrote a book called Vikramankdev Charit.
- ❖ The last ruler of this lineage was Someshwar-IV.

3. वेंगी के चालुक्य (तेलंगाणा)

❖ संस्थापक- विष्णुवर्धन

❖ इस वंश का अंतिम शासक- विजयादित्य-VII था।

3. Vegi's Chalukya (Telangana)

Founder - Vishnu Vardhan

The last ruler of this lineage was Vijayaditya-VII.

तमिलनाडु

पल्लव वंश

- ❖ संस्थापक- सिंहवर्मन
- ❖ राजधानी- कांची (तमिलनाडु)
- ❖ प्रसिद्ध शासक- महेन्द्रवर्मन-I
- ❖ महेन्द्रवर्मन-I ने मतविलास प्रहसन नामक पुस्तक लिखी थी।

Pallava Dynasty

- ❖ Founder - Singhvarman
- ❖ Rajdhani- Kanchi (Tamil Nadu)
- ❖ Famous Ruler- Mahendravarman-I
- ❖ Mahendravarman-I wrote a book called ~~Matvilas Skit~~.

✓ [matlavilas prahsay.]

2. नरसिंह वर्मन-I

❖ इसने रथ मंदिरों (कांची) का निर्माण करवाया था।

❖ रथ मंदिरों को एकाश्म मंदिर या तट मंदिर भी कहा जाता है। ये मंदिर महाबलीपुरम, तमिलनाडु में स्थित है।

2. Narsinha Varman-I

❖ He built the Rath Temples (Kanchi).

❖ Rath temples are also called monolithic temples or shore temples.

❖ The temples are located in Mahabalipuram, Tamil Nadu.

रथ मंदि \Rightarrow largest

① धर्मराज

② भीम

* ③ अर्जुन

④ नकुल/सहदेव

⑤ द्रौपदी \rightarrow Smallest

Strategy 7 20/11/10

- ① modern
- ② Ancient

(old ⊕
New
Recording)

नरसिंह वर्मन-II

❖ इसने कांची में कैलाश मंदिर का निर्माण करवाया था ।

❖ इस वंश का अंतिम शासक अपराजित था ।

Narasimha Varman-II

❖ He built the Kailash Temple in Kanchi.

❖ The last ruler of this lineage was Aprajit.

chola empire

चोल साम्राज्य

❖ संस्थापक- विजयालय

❖ इसने चोलेश्वर मंदिर का निर्माण करवाया था ।

❖ राजधानी:

1. उरैयूर

2. कावेरी/पुहार

3. तंजौर

*Chola Empire *

❖ Founder - Vijayalaya

❖ He built the Cholaswar temple.

❖ Capitals: 1. Uraiyur 2. Kaveri/Puhar 3. Tanjore

- ❖ नटराज (शिव) की कांस्य की प्रतिमा का सम्बन्ध चोल वंश से है ।
- ❖ चोलों की नौसेना बहुत विकसित थी ।
- ❖ चोलों का ग्राम प्रशासन भी बहुत विकसित था ।
- ❖ उत्तिरमेरुर अभिलेख का सम्बन्ध चोल वंश के साथ है ।

dancing form of lord Shiva
नृत्य

- ❖ The bronze statue of Nataraj (Shiva) belongs to the Chola dynasty.
- ❖ The navy of the cholas was very developed.
- ❖ The village administration of cholas was also very developed.
- ❖ The Uttirmerur record is related to the Chola dynasty.

नृत्य

TN

चोल वंश के प्रसिद्ध शासक

1. राजराज-I

❖ इसने कांचीपुरम में वृहदेश्वर मंदिर (राजराजेश्वर मंदिर) का निर्माण करवाया था।

Famous Rulers of Chola Dynasty

1. Rajraj-I

He built the Vrihdeswar Temple (Rajrajeshwar Temple) at Kanchipuram.

2. राजेंद्र-I (1014-1044)

— son of Rajaraj
I

❖ राजेंद्र-I ने पूरे श्रीलंका को जीता था ।

❖ इसने गंगैकोंडचोलपुरम की स्थापना की थी ।

❖ Titles –

1. गंगैकोंड

2. मुडीकोंड

3. पंडित चोला

2. Rajendra-I (1014-1044)

- ❖ Rajendra-I won the entire Sri Lanka.
- ❖ He had founded Gangikondcholapuram.
- ❖ Titles — 1. Gangaikond 2. Mudikond 3. Pandit Chola

→ After winning Bengal.

→ New Capital

❖ कुलोत्तुंग प्रथम ने श्री लंका को आजाद कर दिया था ।

❖ मलिक काफूर ने चोल वंश का अंत कर दिया था ।

❖ Kulottung Ist had liberated Sri Lanka.

❖ Malik Kafur had put an end to the Chola dynasty.

हाजर दिवस

Comm. of
Alauddin
Khalji

राष्ट्रकूट वंश

❖ राष्ट्रकूट वंश की स्थापना दन्तिदुर्ग ने की थी ।

❖ राष्ट्रकूट शासक कृष्ण-I ने एलोरा में कैलाश मंदिर का निर्माण करवाया था ।

↳ most popular

Rashtrakuta Dynasty

❖ The Rashtrakuta dynasty was founded by Dantidurg.

❖ The Rashtrakuta ruler Krishna-I built the Kailash Temple in Ellora.

चोल काल में प्रयोग किए गए प्रमुख शब्द :

1. ब्रह्मदेय- ब्राह्मणों को दान दी गयी जमीन
2. नाडू - गांवों का समूह
3. वलनाडु—जिला
4. उर- गाँव
5. वडवा- दक्षिण भारत में रहने वाले उत्तर भारतीयों को वडवा कहा जाता था ।

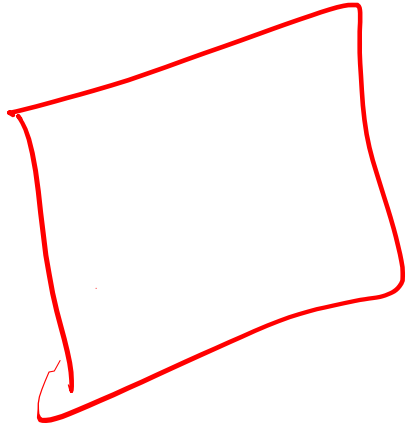
Key words used during the Chola period:

1. ~~Brahmadeya~~ - Land donated to Brahmins
2. Nadu - Group of Villages
3. Valnadu - District
4. Ur - Village
5. ~~Vadwa~~ - North Indians living in South India were called Vadwa.

Books \Rightarrow (6, 7, 8)
 ↑↑
 NCERT

पाकली

कौरांग ⇒ ?
L Warehouse



~~चिपियर~~ ⇒

दुपईदक